संख्या-69/2021/4684/41-2020-94(बजट)/2018 टी0सी0

प्रेषक,

शिव पाल सिंह
विशेष सचिव
उत्तर प्रदेश शासन।

सेवा में,

महानिदेशक
पर्यटन, उ0प्र0,
लखनऊ।

पर्यटन अनुभाग **लखनऊ, दिनांक 01 फरवरी, 2021**

विषय-वित्तीय वर्ष 2020-21 के लिए अनुदान सं0 44 में प्राप्त बजट संकलन के अनुसार राजस्व लेखा के अन्तर्गत कतिपय लेखाशीर्षो/उपशीर्षों में धनराशि को व्यय हेतु निर्वतन पर रखे जाने के संबंध में।

महोदय,

कृपया उपर्युक्त विषयक अपने पत्र संख्या-4586/15-1-838(24)/ट्रै0ट्रे0/2020-21 दिनांक 18 दिसम्बर 2020 का सन्दर्भ ग्रहण करने का कष्ट करें।

2- अवगत कराना है कि वित्तीय वर्ष 2020-21 के लिए अनुदान संख्या-44 में प्राप्त बजट संकलन के अनुसार राजस्व लेखा के कतिपय विभिन्न लेखाशीर्षो/उपशीर्षों में प्रावधानित धनराशि को निम्न तालिका के स्तम्भ-1 में उल्लिखित शासनादेश, स्तम्भ-2 में उल्लिखित मुख्य, लघु तथा उप लेखाशीर्ष में उनके सम्मुख स्तम्भ-3 में प्रावधानित धनराशि के सापेक्ष स्तम्भ-4 में अंकित धनराशि व्यय किये जाने हेतु महानिदेशक पर्यटन के निवर्तन पर रखे जाने की स्वीकृति प्रदान की जा चुकी है:-

(रूपये लाख में)

शासनादेश संख्या/दिनांक	**अनुदान संख्या-44 मुख्य, लघु तथा उप लेखाशीर्ष**	**वित्तीय वर्ष 2020-21 में प्रावधानित आय-व्ययक**	**वित्तीय वर्ष 2020-21 के लिए निवर्तन पर रखी जाने वाली धनराशि**
1	**2**	**3**	**4**
शा0सं0-133/2020/1215/41-2020-94(बजट)/2018 दिनांक 11 जून 2020 द्वारा प्रथम किश्त	**राजस्व लेखा 3452-पर्यटन-80-सामान्य-800-अन्य व्यय-12-मेले/महोत्सवों के आयोजन हेतु**		
	20-सहायता अनुदान-सामान्य (गैर वेतन)	1000.00	166.66
शा0सं0-294/2020/4492/41-2020-94(बजट)/2018 टी0सी0 दिनांक 12 दिसम्बर 2020 द्वारा द्वितीय किश्त	**राजस्व लेखा 3452-पर्यटन-80-सामान्य-800-अन्य व्यय-12-मेले/महोत्सवों के आयोजन हेतु**		
	20-सहायता अनुदान-सामान्य (गैर वेतन)	1000.00	166.66
		कुल अवमुक्त धनराशि	**333.32**

3- इस संबंध में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि वित्तीय वर्ष 2020-21 के लिए अनुदान संख्या-44 में प्राप्त बजट संकलन के अनुसार राजस्व लेखा के कतिपय विभिन्न लेखाशीर्षो/उपशीर्षों

1- यह शासनादेश इलेक्ट्रानिकली जारी किया गया है, अत: इस पर हस्ताक्षर की आवश्यकता नहीं है ।

2- इस शासनादेश की प्रमाणिकता वेब साइट http://shasanadesh.up.nic.in से सत्यापित की जा सकती है ।

http://shasanadesh.up.nic.in

में प्रावधानित धनराशि को निम्न तालिका के स्तम्भ-1 में उल्लिखित मुख्य, लघु तथा उप लेखाशीर्ष में उनके सम्मुख स्तम्भ-2 में प्रावधानित धनराशि के सापेक्ष स्तम्भ-3 में उक्त शासनादेश दिनांक 11 जून 2020 द्वारा महानिदेशक पर्यटन के निवर्तन पर रखी गयी धनराशि एवं स्तम्भ-4 में अंकित अवशेष धनराशि व्यय किये जाने हेतु आपके निवर्तन पर रखे जाने की श्री राज्यपाल निम्नलिखित शर्तो/प्रतिबन्धों के अन्तर्गत सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं:-

(रूपये लाख में)

अनुदान संख्या-44 मुख्य, लघु तथा उप लेखाशीर्ष	**वित्तीय वर्ष 2020-21 में प्रावधानित आय-व्ययक**	**वित्तीय वर्ष 2020-21 के लिए निवर्तन पर रखी गयी धनराशि**	**वित्तीय वर्ष 2020-21 के लिए निवर्तन पर रखी जाने वाली धनराशि**
1	**2**	**3**	**4**
राजस्व लेखा 3452-पर्यटन-80-सामान्य-800-अन्य व्यय-12-मेले/महोत्सवों के आयोजन हेतु			
20-सहायता अनुदान-सामान्य (गैर वेतन)	1000.00	166.66	166.66 **(तृतीय किश्त)**

(1) अवमुक्त की जा रही धनराशि का व्यय वित्त विभाग के कार्यालय-ज्ञाप संख्या-1/2019/बी-1-149/दस-2020-231/2019, दिनांक 24 मार्च, 2020,शासनादेश सं0-4/2020/बी-1-192/दस-2020-231/2020 दिनांक 7-4-2020, शासनादेश सं0-5/2020/बी-1-196/दस-2020-231/2020 दिनांक 11-4-2020 एवं शासनादेश सं0-6/2020/बी-1-218/दस-2020-231/2020 दिनांक 18-5-2020 में निहित शर्तों एवं प्राविधानों के अन्तर्गत ही सुनिश्चित किया जायेगा। निवर्तन पर रखी जा रही धनराशि जिस कार्य/मद हेतु प्रदान की जा रही है उसका उपयोग नियमानुसार उसी कार्यमद हेतु किया जायेगा

(2) प्रायोजना के निर्माण कार्य में वस्तु एवं सेवा कर (जी0एस0टी0) की धनराशि कार्यदायी संस्था को वास्तविक भुगतान के अनुसार नियमानुसार अनुमन्य होगी तथा इस सम्बन्ध में कार्यदायी संस्था द्वारा जी0एस0टी0 भुगतान के सम्बन्ध में सक्षम स्तर से प्रमाणिक प्रपत्र शासन को उपलब्ध कराया जायेगा।

(3) यह सुनिश्चित किया जायेगा कि उपरोक्तांकित स्वीकृत योजनान्तर्गत कार्यों हेतु किसी अन्य स्रोतों से धनराशि प्राप्त न की गयी हो। यह भी सुनिश्चित किया जायेगा कि इस योजना की वर्तमान तथा भविष्य में अन्य योजनाओं में द्विरावृत्ति/पुनरावृत्ति न हो। परियोजना के अन्तर्गत सृजित सम्पत्ति के रख-रखाव का समुचित प्रबन्ध सुनिश्चित किया जायेगा। प्रश्नगत कार्य किसी अन्य कार्य योजना में सम्मिलित नहीं है तथा इस हेतु पूर्व में किसी अन्य योजना/श्रोत से धनराशि स्वीकृत नहीं की गयी है।

(4) निवर्तन पर रखी जा रही धनराशि का व्यय किये जाने के पूर्व व्यय के मदों का निर्धारण सुनिश्चित कर लिया जायेगा तथा उस पर सक्षम स्तर का अनुमोदन प्राप्त करने के पश्चात ही व्यय किया जायेगा तथा धनराशि का व्यय वित्तीय हस्तपुस्तिका के सुसंगत प्रावधानों, दिये गये शर्तों एवं प्रतिबन्धों तथा वित्त विभाग द्वारा समय-समय पर निर्गत शासनादेशों/आदेशों के अन्तर्गत सुनिश्चित किया जायेगा। बजट प्राविधान के सापेक्ष धनराशि की उपलब्धता का दायित्व महानिदेशक पर्यटन का होगा।

1- यह शासनादेश इलेक्ट्रानिकली जारी किया गया है, अत: इस पर हस्ताक्षर की आवश्यकता नहीं है ।

2- इस शासनादेश की प्रमाणिकता वेब साइट http://shasanadesh.up.nic.in से सत्यापित की जा सकती है ।

http://shasanadesh.up.nic.in

(5) निवर्तन पर रखी जा रही धनराशि का आहरण एवं व्यय आवश्यकतानुसार तथा नियमानुसार किया जायेगा। स्वीकृत धनराशि को बैंक खाते आदि में नही रखा जायेगा साथ ही निर्माण कार्य से सम्बन्धित समस्त कार्य लोक निर्माण विभाग तथा वित्त विभाग द्वारा निर्गत नियमों/ शासनादेशों के अन्तर्गत सक्षम स्तर का अनुमोदन प्राप्त कर ही सुनिश्चित किया जाय।

(6) विज्ञापन, प्रकाशन एवं प्रदर्शनी मद में निवर्तन पर रखी जा रही धनराशि व्यय किये जाने के पूर्व इन मदों के अन्तर्गत पूर्व वर्षों में कराये गये कार्यों का कार्यवार विवरण प्रस्तुत किया जायेगा तथा उस पर सक्षम स्तर से नियमानुसार अनुमोदन प्राप्त होने की पुष्टि कर ली जायेगी एवं तदोपरान्त भौतिक सत्यापन सुनिश्चित करते हुए संगत वित्तीय नियमों के परिप्रेक्ष्य में क्रमवार अवशेष भुगतान किया जायेगा। वित्तीय वर्ष 2020-21 में इन मदों के सापेक्ष प्रस्तावित कार्य योजना बजट की उपलब्धता के अनुसार ही तैयार किया जायेगा और यदि अपरिहार्य स्थितियों में बजट की सीमा से अधिक व्यय का अनुमान हो तो संगत नियमों के अन्तर्गत औचित्यपूर्ण प्रस्ताव शासन को उपलब्ध कराते हुए अनिवार्य रूप से अनुमोदन प्राप्त कर लिया जायेगा।

(7) मेले/महोत्सव के आयोजन हेतु निवर्तन पर रखी जा रही धनराशि व्यय किये जाने के पूर्व वित्तीय वर्ष 2020-21 में ट्रेवल ट्रेड के अन्तर्गत पर्यटन के दृष्टिकोण से सुविचारित कार्य योजना बजट की उपलब्धता की सीमा के अन्तर्गत तैयार कर उस पर शासन का अनुमोदन अवश्य प्राप्त कर लिया जायेगा।

(8) प्रस्तर-3 में निवर्तन पर रखी जा रही धनराशि का आवंटन मात्र किसी प्रकार के व्यय करने का प्राधिकार नही देता है। अत: जिन मामलों में उ0प्र0 बजट मैनुअल और वित्तीय नियम संग्रह तथा स्थायी आदेशों के अन्तर्गत राज्य सरकार/केन्द्र सरकार अथवा अन्य सक्षम प्राधिकारी की स्वीकृति प्राप्त की जानी आवश्यक हो, उन मामलों में धनराशि व्यय करने के पूर्व अनिवार्य रूप से मदवार व्यय विवरण शासन को उपलब्ध कराते हुए सक्षम स्तर का अनुमोदन प्राप्त करने के पश्चात ही व्यय सुनिश्चित किया जाय।

(9) निवर्तन पर रखी जा रही धनराशि में से नियमानुसार व्यय किये जाने हेतु आवश्यक धनराशि को कोषागार से आहरित कर आहरण के बाउचर संख्या एवं तिथि की सूचना शासन एवं महालेखाकार, प्रयागराज को अनिवार्य रूप से उपलब्ध कराया जाना सुनिश्चित किया जायेगा। निवर्तन पर रखी जा रही धनराशि के समक्ष किये गये व्यय पर नियन्त्रण के सम्बन्ध में शासनादेश सं0 बी-1-1195।/दस-16/94, दिनांक 06 जून, 1994 द्वारा निर्गत निर्देशों का कड़ाई के साथ अनुपालन सुनिश्चित किया जाय।

(10) व्यय प्रबन्धन एवं शासकीय व्यय में मितव्ययिता के सम्बन्ध में वित्त विभाग द्वारा समय-समय पर जारी आदेशों का विशेष रूप से अनुपालन सुनिश्चित किया जाय। इसके साथ-साथ राजकीय धन व्यय करने में उ0प्र0 बजट मैनुअल के प्रस्तर-12 में दी गयी शर्तों की पूर्ति तथा वित्तीय औचित्य के मानकों (स्टैण्डर्डस आफ फाइनेन्शियल प्रोप्राइटी) का अनुपालन भी सुनिश्चित किया जाय।

1- यह शासनादेश इलेक्ट्रानिकली जारी किया गया है, अत: इस पर हस्ताक्षर की आवश्यकता नहीं है ।

2- इस शासनादेश की प्रमाणिकता वेब साइट http://shasanadesh.up.nic.in से सत्यापित की जा सकती है ।

(11) निवर्तन पर रखी जा रही धनराशि के सापेक्ष एकमुश्त आहरण न किया जाय। विभाग के कार्य की प्रकृति एवं आवश्यकता के अनुसार सम्भावित व्यय की फेजिंग की जाय तथा यथासम्भव व्यय की फेजिंग वित्तीय वर्ष की अवधि के लिए समान रूप से ही की जाय।

(12) निवर्तन पर रखी जा रही धनराशि का व्यय सुनिश्चित करने के पूर्व महालेखाकार एवं आन्तरिक लेखा परीक्षा के रिपोर्टों/प्रतिवेदनों/आपत्तियों को अनिवार्य रूप से दृष्टिगत रखते हुए उनका समाधान करने के पश्चात ही नियमानुसार व्यय सुनिश्चित किया जायेगा ।

(13) निवर्तन पर रखी जा रही धनराशि महानिदेशक पर्यटन द्वारा उपलब्ध करायी गयी सूचना के आधार पर दी जा रही है यदि मानक के सम्बन्ध में कोई सूचना गलत पायी जाती है तो इसका उत्तरदायित्व महानिदेशक पर्यटन का होगा।

4- प्रस्तर-3 में निवर्तन पर रखी जा रही धनराशि चालू वित्तीय वर्ष 2020-21 के अनुदान संख्या-44 के लेखानुदान में व्यवस्थित धनराशि के अन्तर्गत उक्त प्रस्तर-3 में अंकित तालिका के स्तम्भ-1 में उल्लिखित संगत लेखाशीर्ष/मानक मद के नामे डाला जायेगा।

5- यह आदेश वित्त विभाग के अशासकीय संख्या ई-7-96/दस-2021 दिनांक 29 जनवरी, 2021 में प्राप्त उनकी सहमति से निर्गत किये जा रहे हैं।

भवदीय

(शिव पाल सिंह)
विशेष सचिव।

संख्या-69/2021/4684(1)/41-2020-94(बजट)/2018 टी0सी0 तद्दिनांक::

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित:

1- प्रधान महालेखाकार (लेखा एवं हकदारी) प्रथम/द्वितीय, उ0प्र0, प्रयागराज।
2- महालेखाकार (लेखा परीक्षा) प्रथम/द्वितीय, उ0प्र0, प्रयागराज।
3- संयुक्त निदेशक, पर्यटन निदेशालय, लखनऊ।
4- वित्त नियंत्रक, पर्यटन निदेशालय, लखनऊ।
5- मुख्य कोषाधिकारी, जवाहर भवन, लखनऊ।
6- वित्त (व्यय-नियंत्रण)अनुभाग-7
7- वित्त (आय-व्ययक)अनुभाग-1/2
8- वेब अधिकारी, पर्यटन विभाग
9- गार्ड-फाइल।

आज्ञा से,

(शिव पाल सिंह)
विशेष सचिव।

1- यह शासनादेश इलेक्ट्रानिकली जारी किया गया है, अत: इस पर हस्ताक्षर की आवश्यकता नहीं है ।
2- इस शासनादेश की प्रमाणिकता वेब साइट http://shasanadesh.up.nic.in से सत्यापित की जा सकती है ।

http://shasanadesh.up.nic.in